रजिस्ट्रेशन S 37987/2000 नई दिल्ली

अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ (पंजी)

कार्यालय-ए-2/20, कोठी पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063 फोन 09711111507, 08383051835
E-mail yashpal_panchal @yahoo.co.in, yashpalpanchal1953@gmail.com, abvvsangh2000@gmail.com

यशपाल पांचाल	गणपतभाई ए पांचाल	वेदपाल पांचाल	मधुसूदन विश्वकर्मा
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9711111507	9376183160	9311501100	9718796300

पत्रांक संख्या ABVVS/150/2023 दिनाकं 06/09/2023

विनम्र निवेदन

पूज्यनीय महंत श्री नृत्य गोपालदास जी
अध्यक्ष श्री राम जन्म भूमि तीर्थ ट्रस्ट
अयोध्या उत्तर प्रदेश
सादर प्रणाम,
महोदय,

अयोध्या में चिर प्रतीक्षित प्रभु श्री राम जी के भव्य मंदिर का निर्माण आपके निर्देशन में हो रहा है। जानकारी में आया है कि श्री राम जन्म भूमि तीर्थ ट्रस्ट और संत समाज ने श्री राम मंदिर प्रांगण में श्री गणेश जी, श्री निषाद राज, महर्षि बाल्मीक आदि की प्रतिमा प्रतिष्ठित करने का निर्णय लिया है। महोदय इस संदर्भ में एक पत्र दिनांक 09/08/2023 को ई मेल के माध्यम से प्रेषित किया है।

सूर्यदेव और विश्वकर्मा जी की पुत्री देवी संज्ञा के पुत्र मनु जो प्रथम प्रजापति हुए इसी कुल में भगवान श्री राम जी का जन्म हुआ इसीलिए वे सूर्यवंशी कहलाये। प्रभु विश्वकर्मा जी ने विश्व कल्याण हेतु शिल्प और वास्तु कला का ज्ञान विश्व को दिया। जिसके फलस्वरूप प्रत्येक युग में देवालय, महल, राज प्रासाद, दुर्ग, भवन, सेतु, मूर्तियाँ विमान,यंत्र, वैज्ञानिक व अन्य उपकरण, आभूषण आदि बनाए जा सके।

विश्वकर्मा जी ने भगवान शिव से लेकर भगवान राम व भगवान कृष्ण को अस्त्र शस्त्र भी उपलब्ध कराए जिसके कारण वे धर्म युद्ध जीत सके। रामायण में स्पष्ट प्रसंग है कि जब समुद्र पर सेतु का निर्माण किया गया तो विश्वकर्मा पुत्र नल नील का विशेष योगदान रहा।

आज भी नई दिल्ली में सैंट्रल विष्टा (नए संसद भवन) की बात हो, श्री राम मंदिर के निर्माण की बात हो, काशी विश्वनाथ कारीडोर के निर्माण की बात हो विश्वकर्मा वंशी अपनी शिल्प कला से भव्य इमारतों में वास्तु कला निखारने का अभूतपूर्व कार्य कर रहे है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने भी अपने संदेश में कहा है कि हम सभी को प्रभु विश्वकर्मा जी द्वारा दिए गए ज्ञान, हुनर का सम्मान करना चाहिए। प्रधानमंत्री जी का मानना है कि प्रभु विश्वकर्मा के ज्ञान के बिना हम जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। विश्वकर्मा वंशियों ने कभी भी अपने ईष्टदेव विश्वकर्मा जी की प्रतिमा प्रतिष्ठित करने/कराने की तरफ ध्यान ही नहीं दिया !

अब जब प्रभु श्री राम जी का भव्य मंदिर बनाया जा रहा है और उसमें अनेकों देवताओं की प्रतिमा प्रतिष्ठित की जा रही हैं इसलिए पुन; आपसे विनम्र आग्रह है की प्रभु श्री राम के मंदिर में विश्वकर्मा जी की प्रतिमा भी प्रतिष्ठित की जानी चाहिए। इससे विश्वकर्मा वंशियों को बहुत खुशी होगी।

धन्यवाद सहित

यशपाल पांचाल

(यशपाल पांचाल)
राष्ट्रीय अध्यक्ष